कैलाश मानसरोवर यात्रा

[स्रोत: बिज़िनेस स्टैंडर्ड](#)

भारत और चीन ने वार्षिक [कैलाश मानसरोवर यात्रा (KMY)](#) की पुनः शुरुआत करने पर सहमति व्यक्त की है।

- कैलाश पर्वत **काले रंग की चट्टानों** से निर्मित **हीरे के आकार का शिखर** है, जो **तिब्बत** में अवस्थित है।
- भारत प्रतिवर्ष **जून से सितंबर माह** में उत्तराखंड में **लिपुलेख दर्रा (1981 से)** और सिक्किम में [नाथू ला दर्रा](#) **(2015 से)** के माध्यम से KMY का आयोजन करता है।
- **कैलाश पर्वत** की ऊँचाई **6,638 मीटर है** और यह **हिंदू**, **बौद्ध**, **जैन** और **बॉन** (तिब्बत का मूल धर्म) धर्मों के लिये एक पवित्र शिखर है।
  - **तिब्बती बौद्ध अनुयायियों** के लिये, कैलाश ब्रह्मांडीय अक्ष या **मेरु पर्वत** है, जो **स्वर्ग और पृथ्वी** को जोड़ता है।
  - **हिंदू धर्म** में, यह **भगवान शिव और देवी पार्वती** का वास स्थल है ।
  - जैन धर्म में, कैलाश **अष्टपद है**, जहाँ [ऋषभनाथ](#) को ज्ञान प्राप्त हुआ था ।
- कैलाश पर्वत को **पृथ्वी का आध्यात्मिक केंद्र** कहते हैं, जहाँ से [सतलुज](#), [ब्रह्मपुत्र](#), **करनाली और** [सिंधु](#) नदियाँ निकलती हैं।
- [मानसरोवर झील](#) **पर्वत की तलहटी** में स्थित है ।
- **कैलाश पर्वत** की **ऊँचाई** हालाँकि **माउंट एवरेस्ट (8,849 मीटर)** से **कम है**, किंतु **इस पर चढ़ाई नहीं की जा सकती** क्योंकि इसके **पवित्र महत्त्व** के कारण इस पर **चढ़ाई करना प्रतिबंधित है**।

और पढ़ें: [कैलाश मानसरोवर यात्रा](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kailash-mansarovar-yatra